पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

———

राजभवन में उम्मीद संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय खेल महोत्सव का समापन

———

राज्यपाल द्वारा उम्मीद संस्था के 'भिक्षा से शिक्षा की ओर' कार्यक्रम के अंतर्गत राजभवन में आयोजित खेल महोत्सव का समापन

———

राज्यपाल ने खेल महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया

———

लक्ष्य प्राप्त करने के लिए धैर्यपूर्वक आगे बढ़ें

———

पढ़ना–लिखना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए

———

राज्यपाल ने भिक्षावृत्ति से मुक्त बच्चों हेतु पठन–पाठन सामग्री भेंट की

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———

लखनऊः 03 दिसम्बर, 2023

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज स्वयं सेवी संस्था उम्मीद द्वारा भिक्षावृत्ति छोड़ चुके 500 बच्चों के प्रोत्साहन हेतु 'भिक्षा से शिक्षा की ओर' कार्यक्रम के अंतर्गत राजभवन में आयोजित दो दिवसीय खेल महोत्सव का समापन उम्मीद संस्था की संरक्षक श्रीमती उमा अवस्थी की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने खेल महोत्सव में खेले गये विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि मुझे जो खुशी आज यहां बच्चों को ट्रॉफी देते हुए मिल रही है, वह

खुशी मुझे विश्वविद्यालयों में पदक वितरित करते हुए भी नहीं मिलती है। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने बच्चों की कार्य व्यवस्था में लगाये गये सभी वालंटियर्स को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल जी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब प्रतियोगिता होती है तो हार जीत होती रहती है। इसके लिए किसी को निराश होने की जरूरत नहीं है आपको अपना प्रयास यथावत जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस धैर्य से लक्ष्य को ध्यान में रखकर बच्चों ने प्रदर्शन किया। वह अत्यन्त सराहनीय है। अगर हम कोई लक्ष्य पाना चाहते हैं तो हमें धैर्य के साथ आगे बढ़ना होगा।

राज्यपाल जी ने बच्चों को कहा कि आप सभी आपके माता–पिता तथा उम्मीद संस्था के प्रतिनिधियों ने प्रेरित किया और आप आगे बढ़े और पढ़ना लिखना शुरू किया। क्योंकि पढ़ना लिखना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। पढ़ाई से ही जीवन बदलता है। उन्होंने कहा कि कुदरत ने हमें काफी कुछ दिया है यह बात हमारे माता–पिता को समझनी चाहिए और बच्चे के अन्दर छिपी प्रतिभा को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने एशियाई पैरा गैम्स के तीरंदाजी प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली शीतल देवी का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनो हाथों से दिव्यांग होने के बावजूद उसने अपने तीरंदाजी के खेल को नहीं छोड़ा और पैरों से तीरंदाजी का अभ्यास करके देश के लिए पदक प्राप्त किया इसी तरह उन्होंने बच्चों को एकलव्य की प्रेरणादायक कहानी सुनाते हुए कहा कि हमें अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर उसे धैर्यपूर्वक पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने संस्था के बच्चों के लिए प्रेरणादायक स्टोरी बुक तथा पठन–पाठन सामग्री का एक सेट भेंट किया तथा वालंटियर्स से अपील

की कि वे संस्थान में एक छोटी सी लाइब्रेरी स्थापित करें तथा बच्चों में पढ़ने की आदत डालें ताकि बच्चे पढ़ते रहें आगे बढ़ते रहे।

समापन से पूर्व आज खेल के दूसरे दिन 9वर्ष से 16 तक के बच्चों के लिए 100 मीटर दौड़, 20 मीटर मेढक कूद, कबड्डी, रस्साकसी, तथा एक स्थान पर खड़े होकर लम्बी कूद जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

इस अवसर पर सलाहकार मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री अवनीश कुमार अवस्थी, उम्मीद संस्था के संस्थापक सचिव श्री बलवीर मान सिंह, स्वयं सेवी संस्था के अन्य पदाधिकारीगण तथा वालंटियर्स सहित बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

————————

राम मनोहर त्रिपाठी–सहायक निदेशक/राजभवन
सम्पर्क सूत्र 9453005360

भिक्षा से शिक्षा की ओर
खेल महोत्सव 2023
2 और 3 दिसम्बर 2023 | राज भवन, लखनऊ

भिक्षा से शिक्षा की
राज भवन

भिक्षा से शिक्षा की ओर
खेल महोत्सव 2023
2 और 3 दिसम्बर 2023 | राज भवन, लखनऊ